

व्यवसायों के लिए मानव संसाधन में डिजीटल प्रौद्योगिकियों को अपनाना जरूरी : निशित सूद

संवेद न्यूज़ / राकेश शर्मा

चंडीगढ़, 31 अगस्त : सीआईआई दिल्ली एचआर शिखर सम्मेलन में व्यवसायों और मानव संसाधन प्रथाओं को नया आकार देने में प्रौद्योगिकी की विधंतकारी क्षमता पर चर्चा हुई। सीआईआई उत्तरी क्षेत्र मुख्यालय में आज आयोजित इस कार्यक्रम में विचारोत्तेजक सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें मानव संसाधन पेशेवरों और शिक्षाविदों को तेजी से विकसित हो रहे व्यावसायिक परिदृश्य में आगे बढ़ने के लिए ज्ञान और प्रेरणा मिली। निशित सूद, अध्यक्ष, सीआईआई दिल्ली उप समिति मानव संसाधन एवं आईआर और मुख्य प्रवाह अधिकारी, बीवाईएलडी समूह ने डिजिटल युग के प्रभाव के सार को समझाया और कहा कि डिजिटल युग ने इन चीजों में मौलिक बदलाव लाया है। व्यवसाय कैसे प्रतिस्पर्धा करते हैं, कैसे काम करते हैं और अपने शेयरधारकों के साथ कैसे बातचीत करते हैं। तेजी से विकसित हो रहे माहौल में प्रतिस्पर्धा बने रहने और



सीआईआई दिल्ली उप समिति मानव संसाधन के अध्यक्ष और बीवाईएलडी समूह के मुख्य प्रवाह अधिकारी निशित सूद मीडिया से जानकारी साझा करते हुए। (अनिल)

आगे बढ़ने के लिए, डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करना और बदलते परिदृश्य के अनुरूप ढलना महत्वपूर्ण है। सूद की अंतर्दृष्टि ने डिजिटल परिवर्तन के दूरगामी प्रभावों की व्यापक खोज की नींव रखी। उन्होंने कहा कि कॉन्कलेव का फोकस पारंपरिक नियुक्ति प्रक्रिया से आगे बढ़ा है और अब इसमें उत्पादकता, कर्मचारियों की बेहतरी, डिजिटल इशारा-विशेषज्ञान बिजनेस, छोटे आकार के उद्योगों के लिए स्ट्रैटजिक वर्कफोर्स प्लानिंग, हाईटेक हाईटेक,

न्यू एज वर्कफोर्स के जरिये टेलेंट मैनेजमेंट को भी शामिल किया गया है। इसके अलावा डेटा-कैरियर एचआर रणनीतियां, बिजनेस, वर्कप्लेस कल्चर के लिए नेकस्ट-जेन एंड-ट्रेबिलिटी, और जेन जेड के लिए उद्योग की तैयारी अन्य मुख्य विषय हैं।

डॉ अति प्रिये, निदेशक आईक्यूएसी, सीटी यूनिवर्सिटी में योजना और विकास, मानव प्रतिभा के सार को संरक्षित करते हुए तकनीकी अनुकूलन की अनिवार्यता पर भी जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि हमें

प्रौद्योगिकी जो पेशकश कर रही है उसे अपाने की जरूरत है, लेकिन साथ ही, हमें इस परिवर्तन के दौरान कार्यबल की रचनात्मकता और मासूमियत को जीवित रखने की जरूरत है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा तेजी से आकार ली जा रही दुनिया में, कोवेलियंस इंडिया के कार्यकारी उपाध्यक्ष नरिंदर अहलूवालिया ने भावनात्मक भाग के लिए आवश्यक नाजुक संतुलन पर प्रकाश डालते हुए, ए.आई. समीकरण में मानवीय तत्व को शामिल किया। कभी-कभी कृत्रिम बुद्धिमत्ता एजेंटों की रिपोर्ट और डेटा पर आधारित निर्णय लोगों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

आशीष खोसला, सह-संस्थापक और अध्यक्ष (नवाचार और विपणन), शूलिनी विश्वविद्यालय ने कहा कि अन्य वैश्विक समक्षों की तुलना में मानव संसाधन उद्योग के पास स्थायी लागत लाभ है। संजय राय, उपाध्यक्ष कॉर्पोरेट एचआर, एकम्स ड्राग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड ने तीन मूलभूत पहलुओं का संकेत दिया जिन पर विचार करने की आवश्यकता है गुणात्मक, लागत प्रबाही और सेवा की समय पर डिलीवरी।